i-NEXT PAGE 3

लखनऊ यूनिवर्सिटी का प्लैनेटेरियम होगा रेनोवेट

एलयू प्लैनेटेरियम का फिर चमकेगा सितारा

प्लैनेटेरियम में नए उपकरण लगाने के लिए तैयार किया गया एस्टिमेट

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (24 June): लखनऊ यूनिवर्सिटी में खगोल विज्ञान की पढ़ाई कर रहे स्टूडेंट्स की सुविधा के लिए एलयू कैंपस में मौजूद प्लैनेटेरियम को रेनोवेट करने की तैयारी कर रहा है. इसके जरिए स्टूडेंट्स को तारामंडल देखने, मौसमिक आकाशीय पैटर्न के बारे में सीखने और प्रोजेक्शन से आकाशीय घटनाओं की जानकारी हासिल करने का मौका मिलेगा. इसके लिए एलयू प्रशासन सरकारी एजेंसियों से अनुदान के लिए प्रस्ताव भी तैयार कर रहा है. विवि प्रशासन का मानना है कि इससे गणित और खगोलशास्त्र विभाग के पास बने प्लैनेटेरियम को नया रूप देने में मदद मिलेगी.

PIC: DAINIK JAGRAN-I NEXT

अभी कुछ ऐसा है प्लैनेटेरियम के अंदर का नजारा.

1949 में खगोलीय शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया था प्लैनेटेरियम

1946 से लगी है मशीन

एस्ट्रोनॉमी विभाग की असोसिएट प्रोफेसर डॉ. अलका मिश्रा ने बताया कि 1949 को प्लैनेटेरियम बनाया गया था. इसमें जो मशीन है, वो 1946 से लगी है और काफी पुरानी हो चुकी है, ऐसे में इसको हटाकर दूसरी अपडेटेड मशीन लगाई जाएगी. इसके अलावा प्लैनेटेरियम में सिविल वर्क के साथ उसको रेनोवेट किया जाना है. इसके लिए प्रपोजल तैयार करके डीन अकेडमिक्स को भेजा गया था. इस प्रपोजल को लेकर पंद्रह एजेंसी से भी बातचीत चल रही है. जल्द ही इसको इंस्टाल किया जाएगा.

बहुत पुराना है यूनिवर्सिटी का यह प्लैनेटेरियम

एलयू के प्लैनेटेरियम का भारतीय खगोलशास्त्र के इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान है. उत्तर प्रदेश के शिक्षा मंत्री डॉ. सम्पूर्णानंद के साथ मिलकर प्रो. एएन सिंह ने खगोलशास्त्र को भारत में पहली बार बीएससी डिग्री में एक पूर्ण विषय के अध्ययन के रूप में पेश किया. इसके बाद 1949 में खगोलशास्त्र के शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए इस एनेक्सी में नया रूप दिया गया. प्लैनेटेरियम का निर्माण पूरा कराया गया. प्लैनेटेरियम के डोम का साइज 8 मीटर है और इसमें 96 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता है. प्लैनेटेरियम प्रोजेक्टर मशीन, स्पीट्ज-मॉडल ए1, 1946 में खरीदी गई थी. यह दुनिया भर में पहला मॉडल था जो मानक 4.3 से अधिक प्रकाशमान तारों का अवलोकन कराता था. स्पीट्ज के केवल 40 ऐसे मॉडलों का निर्माण हुआ था, जिनमें से एक एलयू ने खरीदा था. उस समय प्लैनेटेरियम प्रोजेक्टर मशीन की लागत 500 डॉलर थी.

"इस ऐतिहासिक प्लैनेटेरियम को पुनर्जीवित करना विवि के जरिए खगोलशास्त्र शिक्षा को बढ़ावा देने का एक अद्वितीय प्रयास है.
प्रो. पूनम टंडन, डीन अकेडमिक्स

"प्लैनेटेरियम को पुनर्जीवित करना एलयू के वैज्ञानिक शिक्षा को बढ़ावा देने और भारत में अगली पीढ़ी के खगोलशास्त्रियों को प्रेरित करने के प्रति उसके समर्पण को दर्शाता है.
प्रो. आलोक कुमार राय, वीसी, एलयू

पूर्व छात्रों ने किया नाम रोशन

एलयू के खगोलशास्त्र के छात्रों ने देश-विदेश में नाम कमाया है. डॉ. निशांत सिंह, वर्तमान में आईयूसीएए में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं. वहीं, डॉ. एसपी ओझा और डॉ. मोहम्मद हसन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक के रूप में मशहूर हुए हैं. डॉ. शशिर संख्यान एस्टोनिया के तारतू आब्जर्वेटरी में कार्यरत हैं और ये सरस्वती सुपरक्लस्टर की खोज से जुड़े हैं और डॉ. अविनाश चतुर्वेदी जर्मनी में उच्च स्तरीय अनुसंधान कर रहे हैं.

NBT PAGE 4

अपग्रेड होगा LU का ऐतिहासिक प्लेनेटोरियम

खगोलशास्त्र के शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए विवि में 1949 में हुआ था निर्माण

■ एनबीटी संवाददाता, **लखनऊ :** एलयू अपने ऐतिहासिक प्लेनेटोरियम को अपग्रेड करने की तैयारी में है। इसके लिए गोरखपुर की एक कंपनी से एमओयू किया जाएगा। इसके बाद प्लेनेटोरियम में आधुनिक उपकरण लगाए जाएंगे।

एलयू वीसी प्रो.आलोक कुमार राय ने बताया कि खगोलशास्त्र में रुचि रखने वाले स्टूडेंट्स के लिए प्लेनेटोरियम के नवीनीकरण की योजना बनाई गई है। इसमें स्टूडेंट्स को तारामंडल देखने, मौसम के आकाशीय पैटर्न को समझाने और प्रोजेक्शन से आकाशीय घटनाओं की जानकारी मिलेगी। प्लेनेटोरियम अपग्रेड करने के लिए एलयू सरकारी एजेंसियों से अनुदान के लिए प्रस्ताव तैयार कर रहा है। वहीं गोरखपुर की एक कंपनी की मदद से प्लेनेटोरियम में प्रोजेक्टर लगाया जाएगा। इसमें करीब डेढ़ करोड़ रुपये का खर्च आएगा। एलयू के खगोलशास्त्र के स्टूडेंट्स ने देश-विदेश में नाम रोशन किया है। डॉ. निशांत सिंह मौजूदा समय में आईयूसीएए में असिस्टेंट प्रफेसर हैं। वहीं डॉ. एसपी ओझा भारतीय इसरो में वैज्ञानिक हैं।

96 लोगों की बैठने की क्षमता

डीएसडब्ल्यू प्रो.पूनम टंडन के मुताबिक, प्रदेश के पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. सम्पूर्णानंद के साथ मिलकर प्रो.एएन सिंह ने खगोलशास्त्र को भारत में पहली बार बीएससी में एक पूर्ण विषय के अध्ययन के रूप में पेश किया। इसके बाद 1949 में एलयू में प्लेनेटोरियम का निर्माण कराया गया। एलयू के खगोलशास्त्र विभाग की फैकल्टी डॉ. अलका मिश्रा ने बताया कि प्लेनेटोरियम के डोम का साइज 8 मीटर है। इसमें 96 लोगों के बैठने की क्षमता है। एलयू ने 1946 में प्लेनेटोरियम प्रोजेक्टर मशीन स्पिट्ज-मॉडल A1 से खरीदी थी। स्पिट्ज-मॉडल A1 दुनिया भर में पहला मॉडल था जो मानक 4.3 से अधिक प्रकाशमान ताराओं का अवलोकन कराता था।

LU : फंडस रूम में प्रशिक्षण के लिए 10 छात्रों का चयन

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊः

लखनऊ यूनिवर्सिटी के 10 स्टूडेंट्स का भारत सरकार के प्रतिष्ठित स्टार्टअप फंडस रूम में प्रशिक्षण के लिए चयन हुआ है। चयनित स्टूडेंट्स को 45 दिन का प्रशिक्षण प्रदान दिया जाएगा। इसके बाद उन्हें प्रशिक्षण का लेटर ऑफ़ रिकमेंडेशन दिया जाएगा। सेंट्रल प्लेसमेंट्स सेल की डायरेक्टर डॉ. मधुरिमा लाल डायरेक्टर ने बताया कि चयनितों के नाम तान्या सिन्हा, स्नेहल राय, सूरज कुमार, आकाश अग्रवाल, राज शेखर सिंह, आर्यन, सुचिता तिवारी, सोनाली मिश्रा, स्नेहा मिश्रा और नीरज पांडेय है।

HINDUSTAN PAGE 7, 8

एलयू में छात्र तारामंडल और आकाशीय घटनाएं देखेंगे

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में अब छात्र तारामंडल देख सकेंगे। आकाशीय पैटर्न के बारे में सीख सकेंगे। प्रोजेक्शन से आकाशीय घटनाओं की जानकारी भी प्राप्त कर पाएंगे। विश्वविद्यालय अपने ऐतिहासिक प्लेनेटोरियम को अपग्रेड करने की तैयारी में जुट गया है।

एलयू में खगोलशास्त्र के शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1949 में प्लेनेटोरियम का निर्माण कराया गया था। जिसका भारतीय खगोलशास्त्र के इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान है। उत्तर प्रदेश के पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. सम्पूर्णानंद के साथ मिलकर प्रो. एएन सिंह ने खगोलशास्त्र को भारत में पहली बार बीएससी डिग्री में एक पूर्ण विषय के अध्ययन के रूप में पेश किया था। इसके बाद प्लेनेटोरियम का निर्माण कराया गया। प्लेनेटोरियम के डोम का साइज 8 मीटर है। इसमें 96 लोगों के बैठने की क्षमता है। एलयू ने 1946 में प्लेनेटोरियम प्रोजेक्टर मशीन स्पिट्ज-मॉडल A1 से खरीदी थी। स्पिट्ज-मॉडल A1 दुनिया भर में पहला मॉडल था जो मानक 4.3 से अधिक प्रकाशमान ताराओं का अवलोकन कराता था। स्पीट्ज के केवल 40 ऐसे मॉडलों का निर्माण हुआ था, जिनमें से एक एलयू ने खरीदा था। उस समय प्लेनेटोरियम प्रोजेक्टर मशीन की लागत 500 डॉलर थी।

■ 74 वर्ष पुराना ऐतिहासिक प्लेनेटोरियम अपडेट होगा
■ 1949 में प्लेनेटोरियम का किया गया था निर्माण

पूर्व छात्रों ने लहराया सफलता का परचम

एलयू के खगोलशास्त्र के छात्रों ने देश-विदेश में नाम रोशन किया है। डॉ. एसपी ओझा और डॉ. मोहम्मद हसन आज भारतीय इसरो में वैज्ञानिक हैं। डॉ. शिशिर संख्यान ईस्टोनिया के तारतू आब्जर्वेटरी में कार्यरत हैं। सरस्वती सुपरक्लस्टर की खोज से जुड़े हैं।

एलयू ने फॉर्म भरने की तारीख बढ़ाई

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा कई पाठ्यक्रमों के सम सेमेस्टर के परीक्षा फॉर्म अब 3 जुलाई तक भरे जा सकेंगे। जबकि विश्वविद्यालय में फॉर्म जमा करने की आखिरी तारीख सात जुलाई रखी गई है। बीए, बीएससी, बीकॉम व बीएचएससी चतुर्थ सेमेस्टर के एनईपी व नॉन एनईपी पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म वेबसाइट पर अपलोड हैं।

पीएचडी रिसर्च के लिए सम्बद्धता लें कॉलेज

लखनऊ। एलयू से संबद्ध कॉलेजों को पीएचडी शोध के लिए विवि से संबद्धता लेनी होगी। संशोधित पीएचडी अध्यादेश में यह व्यवस्था की जा रही है। विश्वविद्यालय से पीएचडी के लिए संबद्धता हासिल करने वाले कॉलेज ही शोध करा सकेंगे। एलयू के संशोधित पीएचडी अध्यादेश में कई तरह के बदलाव हुए हैं। अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि नए पीएचडी ऑर्डिनेंस में रिसर्च के लिए कॉलेजों को भी सम्बद्धता देने का प्रावधान रखा गया है। यूजीसी की गाइडलाइन के अनुसार नया अध्यादेश बन रहा। उन कॉलेजों को सम्बद्धता दी जाएगी जो पीएचडी रिसर्च के आहर्ताओं को पूरा करते होंगे।

गोरखपुर की कंपनी संवारेगी लविवि की 73 वर्ष पुरानी नक्षत्रशाला

लखनऊ। लविवि 73 वर्ष पुरानी प्लेनेटेरियम (नक्षत्रशाला) को पुनर्जीवित करने जा रहा है। इसे संवारने में गोरखपुर की कंपनी ने सहमति दी है। कंपनी प्रतिनिधियों ने लैब के सौंदर्यीकरण से संबंधित जानकारी लेना शुरू कर दिया है। विवि के अधिकारी जल्द कंपनी के साथ एमओयू करेंगे। डीन अकादमिक प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि विवि सरकारी एजेंसियों से अनुदान के लिए प्रस्ताव तैयार कर रहा है। यह ऐतिहासिक प्लेनेटेरियम प्रकसित होने पर गणित व खगोलशास्त्र विभाग को नया स्वरूप देगा। बताया कि भारत में स्नातक स्तर पर खगोलशास्त्र का अध्ययन करने वाला लविवि एकमात्र विश्वविद्यालय है। एलयू के खगोलशास्त्र विभाग के विद्यार्थी रहे डॉ. निशांत सिंह, डॉ. एसपी ओझा, डॉ. मो. हसन, डॉ. शिशिर व डॉ. अविनाश चतुर्वेदी जैसे वैज्ञानिक देश-विदेश में सेवा दे रहे हैं। नक्षत्रशाला के नवीनीकरण से छात्रों को तारामंडल देखने, मौसमिक आकाशीय पैटर्न के बारे में सीखने व प्रोजेक्शन से आकाशीय घटनाओं की जानकारी लेने का मौका मिलेगा। (संवाद)

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

फंडस रूम में 11 विद्यार्थियों का चयन

लखनऊ। लविवि की सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के माध्यम से 11 विद्यार्थियों का भारत सरकार के प्रतिष्ठित स्टार्टअप फंडस रूम में चयन हुआ है। ये विद्यार्थी फाइनेंस व मार्केटिंग शाखाओं में सेवाएं देंगे। 45 दिन प्रशिक्षण के बाद इन्हें सेवा में लाया जाएगा। चयनितों में तान्या साहनी, स्नेहल राय, सूरज चिंद, आकर्ष अग्रवाल, राजशेखर सिंह, आर्यन सिंह, राजशेखर सिंह, शुचिता तिवारी, सोनाली मिश्रा, स्नेह मिश्रा व नीरज पांडेय हैं। (संवाद)

तीन जुलाई तक भर सकेंगे परीक्षा फॉर्म

लखनऊ। परीक्षा विभाग ने लविवि से सहयुक्त महाविद्यालयों में होने वाले सम सेमेस्टर के एग्जाम के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि बढ़ा दी है। अब विद्यार्थी तीन जुलाई तक फॉर्म भर सकेंगे। परीक्षा विभाग में इसे जमा करने की अंतिम तिथि सात जुलाई होगी। (संवाद)

लविवि अब कॉलेजों को भी देगा पीएचडी की संबद्धता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय शोध के लिए अब कॉलेजों को भी संबद्धता देगा। विवि ने अपने संशोधित पीएचडी अध्यादेश में ऐसा प्रावधान किया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने नए एक्ट में प्रावधान किया है कि विश्वविद्यालय रिसर्च के लिए कॉलेजों को संबद्धता प्रदान कर सकते हैं, बशर्ते इसके लिए मानक पूरे होने चाहिए। अभी तक सिर्फ स्नातक व परास्नातक स्तर पर ही कॉलेजों को संबद्धता मिलती है। लविवि के अधिकारियों के मुताबिक नई शिक्षा नीति कॉलेजों को सक्षम बनाने पर जोर दे रही है। इससे इनमें शिक्षा प्रणाली बेहतर होने के साथ शोध का माहौल विकसित किया जा सकेगा। कॉलेज स्वंय में डिग्री प्रदान करने के लिए भी सक्षम हो सकेंगे। (संवाद)

शोधार्थी छात्रावास के लिए एक तक करें आवेदन

लखनऊ। लविवि में पीएचडी कोर्स के ऐसे विद्यार्थी जिन्हें बीते सत्र में छात्रावास आवंटित था, वे हॉस्टल के पुनः आवंटन के लिए एक जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए विवि की वेबसाइट पर एचएमएस पोर्टल से आवेदन देना होगा। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि तय तिथि आगे नहीं बढ़ाई जाएगी। (संवाद)

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि के छात्र अब देख सकेंगे खगोलीय घटनाएं

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

सक्रियता
● प्लेनेटोरियम को अपग्रेड करने की तैयारी

"विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक प्लेनेटेरियम को पुनर्जीवित करना उसके वैज्ञानिक शिक्षा को बढ़ावा देने और भारत में अगली पीढ़ी के खगोलशास्त्रियों को प्रेरित करने के प्रति उसके समर्पण को दर्शाती है। एक नवीनतम सुविधा के रूप में छात्रों को ब्रह्मांड के रहस्यों का अन्वेषण करने के लिए एक आधुनिक सुविधा प्रदान करके, लखनऊ विश्वविद्यालय का उद्देश्य, भारत में वैज्ञानिक ज्ञान के उन्नयन में योगदान देना है।
-प्रो .आलोक राय, कुलपति, लविवि

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र अब तारामंडल देखकर खगोलीय घटनाओं की जानकारी भी प्राप्त कर पाएंगे। विश्वविद्यालय के खगोलशास्त्र की शिक्षा को को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1949 में प्लेनेटोरियम का निर्माण कराया गया था। जिसका भारतीय खगोलशास्त्र के इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान है। उत्तर प्रदेश के पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. सम्पूर्णानंद के साथ मिलकर प्रो. एएन सिंह ने खगोलशास्त्र को भारत में पहली बार बीएससी डिग्री में एक पूर्ण विषय के अध्ययन के रूप में पेश किया था। इसके बाद प्लेनेटोरियम का निर्माण हुआ। जिसको अपग्रेड करने के लिए एलयू सरकारी एजेंसियों से अनुदान को प्रस्ताव तैयार कर रहा है।

गोरखपुर की एक कंपनी की मदद से नई प्लेनेटोरियम प्रोजेक्टर मशीन भी लगाई जाएगी। मशीन को लगाने में करीब डेढ़ करोड़ रुपये का खर्च आएगा। रुपये जुटाने के लिए एलयू प्रयास कर रहा है। इस बारे में कुलपति ने बताया कि खगोलशास्त्र में रुचि रखने वाले छात्रों को एक संवेदनशील अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से प्लेनिटोरियम के नवीनीकरण की योजना बनाई गई है। नवीनीकृत सुविधा के जरिए छात्रों को तारामंडल देखने, मौसमिक आकाशीय पैटर्न के बारे में सीखने और प्रोजेक्शन से आकाशीय घटनाओं की जानकारी प्राप्त करने का मौका मिलेगा।

देश विदेश में वैज्ञानिक बने एलयू छात्र: एलयू के खगोलशास्त्र के छात्र देश विदेश में उच्च पदों पर कमा रहे हैं और विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं इनमें से एक छात्र डॉ. निशांत सिंह, वर्तमान में आईयूसीएए में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। वहीं, डॉ. एसपी ओझा और डॉ. मोहम्मद हसन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक के रूप में मशहूर हुए हैं। डॉ. शशिर संख्यान ईस्टोनिया के तारतू आब्जर्वेटरी में कार्यरत हैं और ये सरस्वती सुपरक्लस्टर की खोज से जुड़े हैं और डॉ. अविनाश चतुर्वेदी जर्मनी में उच्च स्तरीय अनुसंधान कर रहे हैं। ये सब उन्नत शिक्षा के गवाह हैं जो एलयू के खगोलशास्त्र कार्यक्रम द्वारा प्रदान की जाती है।

THE PIONEER PAGE 2

Varsity making efforts to revive its planetarium

PNS ■ LUCKNOW

The University of Lucknow is making efforts to restore its historic planetarium, becoming the only university in India offering undergraduate studies in astronomy.

Notable alumni from LU's astronomy programme include Dr Nishant Singh, who currently serves as a faculty member at the Inter-University Centre for Astronomy and Astrophysics (IUCAA). Additionally, Dr SP Ojha and Dr Mohammad Hasan have distinguished themselves as scientists at the Indian Space Research Organisation (ISRO).

Dr Shishir Sankhyan has found success at the Tartu Observatory in Estonia, and Dr Avinash Chaturvedi is conducting research in Germany.

These achievements showcase the high-quality education provided by LU's astronomy programme.

In an effort to provide students interested in astronomy with an immersive experience, LU is planning to renovate the planetarium. The revamped facility will enable students to observe constellations, learn about seasonal sky patterns, and receive information about upcoming astronomical events through advanced projection systems. To support this ambitious project, the university is submitting a proposal to various government agencies for grants. These funds will play a vital role in rejuvenating the planetarium, located near the department of mathematics and astronomy.

"The LU planetarium holds a significant place in the Indian astronomical history," the LU spokesperson said.

"In collaboration with Dr Sampurnanand, the then education minister of Uttar Pradesh, Prof AN Singh had introduced astronomy as a subject in BSc for the first time in India. Subsequently, in 1949, the construction of the planetarium was completed to enhance the teaching of astronomy," he recalled.

The planetarium features a dome with a seating capacity of 96 individuals. "The original planetarium projector machine, a SPITZ-Model A1, was procured in 1946. Notably, it was the first model worldwide capable of observing stars brighter than magnitude 4.3. Only 40 such models were manufactured, and one found its home at LU. At the time of purchase, the cost of the planetarium projector machine was $500," the spokesperson said.

The advanced DomeX LED, manufactured by Spitz, promises to be a significant upgrade from its predecessor.

Dean, Academics, Prof Poonam Tandon expressed excitement about the project, stating, "Reviving the historical planetarium is a remarkable endeavor by the university to promote astronomy education. We are committed to providing students with exceptional learning opportunities that inspire curiosity and passion for the cosmos."

JAGRAN CITY PAGE III

प्रवेश पत्र जारी, सेमेस्टर परीक्षाएं 27 से

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने 27 जून से शुरू होने वाली स्नातक अंतिम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए शनिवार को प्रवेश पत्र जारी कर दिए। छात्र-छात्राओं विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से इसे डाउनलोड कर सकते हैं।

लविवि ने बीए, बीएससी, बीकाम अंतिम सेमेस्टर की परीक्षाओं के लिए लखनऊ में 46 केंद्र फाइनल किए हैं। इन पर 131 कालेजों के लगभग 35 हजार छात्र-छात्राएं परीक्षा देंगे। बीए छठे सेमेस्टर में पहले दिन 27 जून को सुबह नौ से 10.30 बजे तक फ्रेंच, फंक्शनल संस्कृत, उर्दू व संस्कृत पेपर 1, बीएससी छठे सेमेस्टर में इसी समय जूलाजी, जेनेटिक्स एंड जिनोमिक्स पेपर 1 तथा बीकाम आनर्स छठे सेमेस्टर में सुबह नौ से 12 बजे तक गुड्स एंड सर्विस टैक्स इन इंडिया पेपर की परीक्षा होगी। बीए और बीएससी की परीक्षाएं एक महीने से ज्यादा समय तक चलेंगी। वहीं, बीकाम की परीक्षाएं 13 दिन में समाप्त हो जाएंगी।

46 परीक्षा केंद्रों पर 131 कालेजों के छात्र-छात्राएं देंगे स्नातक अंतिम सेमेस्टर की परीक्षा

11 केंद्रों पर एलएलबी सम सेमेस्टर परीक्षाएं

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने 28 जून से शुरू होने वाली एलएलबी तीन वर्षीय और एलएलबी इंटीग्रेटेड सम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए केंद्रों की सूची वेबसाइट पर जारी कर दी है। परीक्षाओं के लिए लखनऊ में 11 केंद्र बनाए गए हैं। इनमें 21 कालेजों के 10वें व छठे सेमेस्टर के छात्र-छात्राएं परीक्षा के लिए आवंटित किए गए हैं।

एलएलबी तीन वर्षीय छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं 28 जून से 10 जुलाई तक संचालित होंगी। वहीं, एलएलबी इंटीग्रेटेड 10वें सेमेस्टर (2017-2018) की परीक्षाएं 28 व 30 जून को और एलएलबी इंटीग्रेटेड 10वें सेमेस्टर (2016 ओल्ड कोर्स) की परीक्षाएं 28 जून से 12 जुलाई तक आयोजित की जाएंगी। परीक्षा का समय सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक रहेगा।

ये बने परीक्षा केंद्र

लखनऊ यूनिवर्सिटी (विधि संकाय), ठीएपी डिग्री कालेज, श्री जय नारायण डिग्री कालेज, शिया पीजी कालेज, मां वैष्णो देवी ला कालेज, गीता ला कालेज, नर्वदेश्वर ला कालेज, गोयल इंस्टीट्यूट आफ हायर स्टडीज, लखनऊ ला कालेज, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ला कालेज, रेडिएंट कालेज आफ ला।

बीकाम छठे सेमेस्टर की वायवा परीक्षा अब 30 को : लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग ने बीकाम छठे सेमेस्टर (रेगुलर, सेल्फ फाइनेंस) के छात्र-छात्राओं का वायवा अब 30 जून को होगा। छात्र-छात्राओं को पुराने परिसर के डा. केके सक्सेना बिल्डिंग न्यू ब्लाक में सुबह 10 बजे पहुंचना होगा।

वाणिज्य संकाय के डीन प्रोफेसर आरके माहेश्वरी ने बताया कि पहले वायवा 29 जून को होना था, लेकिन उस दिन बकरीद का अवकाश है। इसलिए 30 जून की तिथि तय की गई है।

एमबीए के 10 छात्र छात्राओं का चयन

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के माध्यम से एमबीए द्वितीय सेमेस्टर के 10 छात्र-छात्राओं का प्रशिक्षण के लिए चयन भारत सरकार के स्टार्टअप इंडिया फंडसरूम के लिए हुआ है। इनमें तान्या साहनी, स्नेहल राय, सूरज कुमार बिंद, आरर्ष अग्रवाल, राजशेखर सिंह, आर्यन चड्डा, सुचिता तिवारी, सोनल मिश्रा, स्नेह मिश्रा, नीरज पांडेय शामिल हैं। प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रो., मधुरिमा लाल ने बताया कि चयनित विद्यार्थियों को वहां 45 दिनों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। फिर उनकी दक्षता के अनुसार प्री प्लेसमेंट आफर मिलेगा। (जासं)

पुनः हास्टल के लिए आवेदन एक जुलाई तक

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने पीएचडी सत्र 2022-23 के छात्र-छात्राओं को पुनः हास्टल आवंटन के लिए आवेदन का मौका दिया है। छात्र-छात्राएं एक जुलाई तक लविवि की वेबसाइट पर एचएमएस पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। (जासं)

लविवि : तीन जुलाई तक भरे जाएंगे परीक्षा फार्म

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक चौथे सेमेस्टर एनईपी और नान एनईपी के साथ एमबीए (फाइनेंस एंड एकाउंट) दूसरे, चौथे एवं एम एमएससी यीय चौथे सेमेस्टर की परीक्षाओं के फार्म भरने के लिए तीन जुलाई तक मौका दिया है। कालेजों को सात जुलाई तक विश्वविद्यालय में परीक्षा फार्म जमा करना होगा। परीक्षा नियंत्रक ने शनिवार को इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया। इन पाठ्यक्रमों के छात्र-छात्राएं lkouniexam.in के माध्यम से भर सकते हैं। विश्वविद्यालय के नियमित छात्र-छात्राओं को अलग से फोर्ड शुल्क नहीं जमा करना होगा। (जासं)

नए उपकरण से लैस होगी लविवि की नक्षत्रशाला

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय अपने ऐतिहासिक नक्षत्रशाला (प्लेनेटेरियम) को फिर से पुनर्स्थापित करते हुए नवीन तकनीकी उपकरण से लैस करेगा। इसके लिए एक कंपनी ने हाल ही में अपना प्रजेंटेशन दिया था, जिसके आधार पर अनुदान की व्यवस्था के लिए विश्वविद्यालय प्रस्ताव तैयार कर रहा है। नई सुविधा के माध्यम से छात्र-छात्राओं को तारामंडल को देखने, सीजनल आकाशीय पैटर्न के बारे में सीखने और अन्य खगोलीय घटनाओं की जानकारी प्राप्त करने का मौका मिलेगा।

लविवि के गणित एवं खगोल विज्ञान विभाग में स्थापित नक्षत्रशाला का भारतीय खगोलशास्त्र के इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान है। उत्तर प्रदेश के शिक्षा मंत्री रहे डा. सम्पूर्णानंद के साथ मिलकर प्रो. एएन सिंह ने खगोलशास्त्र को भारत में पहली बार बीएससी डिग्री में एक पूर्ण विषय के अध्ययन के रूप में पेश किया था। इसके बाद 1949 में खगोलशास्त्र के शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए इस नक्षत्रशाला का निर्माण कराया गया।

500 डालर में लगी थी प्रोजेक्टर मशीन : खगोलशास्त्र विभाग की फैकल्टी डा. अलका मिश्रा ने बताया कि नक्षत्रशाला में 96 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता है। इसके निर्माण के समय ही स्पिट्ज माडल ए-1 कंपनी की मशीन 500 डालर में खरीदी गई थी।

यह दुनिया का पहला माडल था जो मानक 4.3 से अधिक प्रकाशमान ताराओं का अवलोकन कराता था। कंपनी ने केवल 40 ऐसे माडलों का निर्माण किया था, जिसमें से एक मशीन लखनऊ विश्वविद्यालय ने खरीदी थी। अब नई तकनीक की मशीन की जरूरत है। ऐसे में नवीनतम तकनीकी उपकरण लगाने की योजना है। नक्षत्रशाला विद्यार्थियों के लिए ब्रह्मांड के चमत्कारों की खोज करने में एक केंद्रीय बिंदु के रूप में काम करेगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय के गणित एवं खगोलशास्त्र विभाग में वर्ष 1949 में बनी नक्षत्रशाला में लगी मशीन ● सौजन्य : विश्वविद्यालय

खगोलशास्त्र शिक्षा को मिलेगा बढ़ावा

नक्षत्रशाला को एक नवीनतम सुविधा के रूप में पुनर्स्थापित करने की योजना है। इससे विद्यार्थियों को ब्रह्माड के रहस्यों का अन्वेषण करने के लिए सुविधा मिल सकेगी। डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि नक्षत्रशाला के नए उपकरण से लैस करने से खगोलशास्त्र शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय अब महाविद्यालयों को शोध करने के लिए भी देगा सम्बद्धता

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय से जुड़े राजकीय व एडेड परास्नातक कालेज भी शोध के लिए सम्बद्धता ले सकेंगे। बस्ते उनके पास इसके लिए नियमानुसार सभी सुविधा मुहैया हो। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के पीएचडी अध्यादेश में शामिल इस सुविधा को लविवि अपने यहां भी अध्यादेश में शामिल करेगा।

डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि अभी तक विश्वविद्यालय पीएचडी के लिए पीजी कालेजों के शिक्षकों को सिर्फ सुपरवाइजर बनाता है, लेकिन सुपरवाइजर के निर्देशन में शोध छात्र विश्वविद्यालय में ही पंजीकृत होते हैं। अब यूजीसी के नए पीएचडी अध्यादेश में व्यवस्था दी है कि यदि राजकीय व एडेड पीजी कालेज के पास शोध कराने के लिए सभी सुविधाएं हैं तो उन्हें विश्वविद्यालय सम्बद्धता दे सकता है। इस सुविधा को विश्वविद्यालय भी अपने अध्यादेश में शामिल करने पर विचार कर रहा है। उन्होंने बताया कि सम्बद्धता देने से पहले कालेज में सभी जरूरी सुविधाएं देखी जाएंगी। उसके बाद सम्बद्धता पर निर्णय लिया जाएगा।

परीक्षा तिथि बढ़ाने की मांग

लविवि की ओर से 30 जून को उर्दू की परीक्षा आयोजित करने पर समाजवादी छात्र सभा ने आपत्ति जताई है। सभाध्यक्ष की छात्र सभा ने परीक्षा नियंत्रक विज्ञान त्रिपाठी को ज्ञापन सौंपकर तिथि बदलने की मांग की। छात्रों का कहना था कि 29 जून को बकरीद के दूसरे दिन 30 को उर्दू विषय की परीक्षा रखी गई है, इस तिथि की परीक्षा को अन्य दिनों में रखा जाए।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

लविवि के 11 छात्रों का चयन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के माध्यम से फंडसरूम में 11 छात्रो का चयन हुआ । फाइनेंस और मार्केटिंग शखाओं में उल्लिखित जॉब डिस्क्रिप्शन के आधार पर चयन करके फंडसरूम सर्वप्रथम चयनित छात्रो की ?? अथवा अधिक दिनों का प्रशिक्षण देने के उपराँत उन विद्यार्थियों में दक्षता का सृजन कर उन्हें लेटर ऑफ़ रिकमेंडेशन मिला है।

लविवि ने जारी किए सम सेमेस्टर परीक्षा फार्म

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा सम सेमेस्टर के परीक्षा फॉर्म जारी किए गए 3 जुलाई तक परीक्षा फॉर्म भरे ज